जय दुर्गे दुर्गति

जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणि, शुम्भ विदारिणि माता भवानि ॥

आदिशक्ति पर ब्रह्म स्वरुपिणि, जग जननि चतुर्वेद बखानि ॥

ब्रह्मा शिव हरि अर्चन कीन्हो, ध्यान धरत सुरनर मुनि ज्ञानी ॥

अष्टभुजा कर खड्ग विराजे, सिँहसवार सकलवरदानि ॥

ब्रह्मानन्द चरण मैं आये, भवभय नाश करो महाराणि ॥